mercredi 28 mars 2012

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 8

बीरबल की खिचड़ी

एक दफा शहंशाह अकबर ने घोषणा की कि यदि कोई व्यक्ति सर्दी के मौसम में नर्मदा नदी के ठंडे पानी में घुटनों तक डूबा रह कर सारी रात गुजार देगा उसे भारी भरकम तोहफ़े से पुरस्कृत किया जाएगा ।

एक गरीब धोबी ने अपनी गरीबी दूर करने की खातिर हिम्मत की और सारी रात नदी में घुटने पानी में ठिठुरते बिताई और जहाँपनाह से अपना ईनाम लेने पहुँचा ।

बादशाह अकबर ने उससे पूछा - तुम ने कैसे सारी रात बिना सोए, खड़े-खड़े ही नदी में रात बिताई ? तुम्हारे पास क्या सबूत है ?

धोबी ने उत्तर दिया - जहाँपनाह, मैं सारी रात नदी छोर के महल के कमरे में जल रहे दीपक को देखता रहा और इस तरह जागते हुए सारी रात नदी के शीतल जल में गुजारी ।

तो, इसका मतलब यह हुआ कि तुम महल के दीए की गरमी लेकर सारी रात पानी में खड़े रहे और ईनाम चाहते हो । सिपाहियों इसे जेल में बन्द कर दो - बादशाह ने क्रोधित होकर कहा ।

बीरबल भी दरबार में था । उसे यह देख बुरा लगा कि बादशाह नाहक ही उस गरीब पर जुल्म कर रहे हैं। बीरबल दूसरे दिन दरबार में हाजिर नहीं हुआ, जबकि उस दिन दरबार की एक आवश्यक बैठक थी । बादशाह ने एक खादिम को बीरबल को बुलाने भेजा । खादिम ने लौटकर जवाब दिया - बीरबल खिचड़ी पका रहे हैं और वह खिचड़ी पकते ही उसे खाकर आएँगे ।

जब बीरबल बहुत देर बाद भी नहीं आए तो बादशाह को बीरबल की चाल में कुछ सन्देह नजर आया । वे खुद तफतीश करने पहुँचे । बादशाह ने देखा कि एक बहुत लंबे से डंडे पर एक घड़ा बाँध कर उसे बहुत ऊँचा लटका दिया गया है और नीचे जरा सी आग जल रही है । पास में बीरबल आराम से खटिया पर लेटे हुए हैं ।

बादशाह ने तमककर पूछा – यह क्या तमाशा है ? क्या ऐसी भी खिचड़ी पकती है ?

बीरबल ने कहा - माफ करें, जहाँपनाह, जरूर पकेगी । वैसी ही पकेगी जैसी कि धोबी को महल के दीये की गरमी मिली थी ।

बादशाह को बात समझ में आ गई । उन्होंने बीरबल को गले लगाया और धोबी को रिहा करने और उसे ईनाम देने का हुक्म दिया ।

Vocabulaire

दफा-m fois	शहंशाह–m le roi des rois	घोषणा-f déclaration	सर्दी-m froid, hivers
मौसम-m climat	नदी-f rivière	घुटना-m genou	गुजारना passer
भारी-भरकम lourd	पुरस्कृत करना-m récompenser	गरीब-m pauvre	धोबी-m blanchisseur
के खातिर pour	हिम्मत-f courage	ठिठुरना trembler de froid	बिताना passer (le temps)
जहाँपनाह protecteur du monde	ईनाम-m prix	सबूत-m preuve	छोर-m bout
महल-m palais	शीतल frais	बादशाह-m roi	क्रोधित-m fâché
नाहक sans raison	ज़ुल्म-m oppression	हाजिर होना être présent	जबकि alors que
आवश्यक nécessaire	बैठक-f salon, réunion	खादिम-m serviteur	खिचड़ी-f mélange de riz et de lentilles
चाल-f démarche	सन्देह-m doute	तफतीश-f enquête	खटिया lit
तमकना se fâcher	तमाशा-m spectacle	गले लगाना embrasser	
रिहा करना libérer	हुक्म-m ordre		

Questions

Quel était l'annonce du roi ?

Pourquoi le roi s'est mis en colère ?

Comment Birbal a-t-il fait la leçon au roi ?

Le pauvre homme qu'a-t-il fait ?

Pourquoi Birbal n'est pas venu à la cour ?